15 नवम्बर, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

श्री कलराज मिश्र, माननीय केन्द्रीय मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), भारत सरकार ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'लाइवलीहुड बिज़िनेस इनक्यूबेटर' का उद्घाटन किया

'उद्यम एवं कौशल विकास' पर आज जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एक कार्यक्रम में श्री कलराज मिश्र, माननीय केन्द्रीय मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), भारत सरकार ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'लाइवलीहुड बिज़िनेस इनक्यूबेटर'(एलबीआई) का उद्घाटन किया और मंत्रालय की एस्पायर योजना के अंतर्गत इस कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय को 1 करोड़ रुपये अनुदान देने की घोषणा की।

यह एलबीआई अपनी तरह का पहला संस्थान है जोकि विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में 1.55 लाख रुपये की लागत से स्थापित किया गया है जिसमें विश्वविद्यालय अपनी सुविधा से 55 लाख रुपये खर्च करेगा। श्री कलराज मिश्र ने जामिइ के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा। मुझे यकीन है कि यह निश्चित रूप से भविष्य में छात्रों को नवोदित उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मंत्री जी ने नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईई) जामिया मिल्लिया और कुलपति प्रोफ़ेसर तलत अहमद द्वारा एलआईबी स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

इस योजना की परिकल्पना उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने के द्वारा नए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगा और तो काम शुरू करने के लिए कुशल जनशक्ति का निर्माण करेगा, उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक विकास में जमीनी स्तर पर देश भर में सामाजिक आवश्यकताओं के लिए अभिनव व्यापार समाधान को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी।

श्री मिश्र ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अभिनव विचारों को वाणिज्यिक उद्यमों में बदलने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और नवाचार के लिए की आवश्यकता पर बल दिया है।

उन्होंने कहा कि 'इस विचार के साथ हमारी सरकार 10,000 करोड़ रुपये की अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) योजना शुरु की है। दुनिया भर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नवाचार हब बन गया है। हमारी सरकार नए उद्यमों को स्थापित करने के लिए 'स्टार्ट–अप इंडिया और स्टैण्ड अप इंडिया' शुरू किया है। इसे एमएसएमई क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरु किया गया है। एस्पायर निधि फंड कृषि क्षेत्र में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करके बनाया गया था।'

मंत्री जी ने पिछले महीने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरु किए गए 'राष्ट्रीय एससी/एसटी हब' की चर्चा और कहा कि यह एससी/एसटी उद्यमिता स्थापित करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगा जिससे सार्वजनिक उद्यम क्षेत्र में अंतर कम हो सकेगा।

श्री मिश्रा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी भी ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट (जेड) योजना विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए उद्यम में एक अंतरराष्ट्रीय मानक के रूप में शुरू की है।

प्रोफ़ेसर तलत अहमद, कुलपति, जामिइ ने एमएसएमई से विश्वविद्यालय को 'लाइवलीहुड बिज़नेस इनक्यूबेटर' प्राप्त करने में श्री मिश्रा के हर संभव नेतृत्व पर अपनी प्रशंसा व्यक्त की और उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रोफेसर अहमद ने कहा कि इस कार्यक्रम से युवाओं, विशेष रूप से गरीबों और अल्पसंख्यकों को बेरोजगारी से बाहर निकलने में मदद मिलेगी।

एलबीआई कार्यक्रम भावी उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के लिए और उन्हें उत्पाद विनिर्माण प्रक्रियाओं, प्रौद्योगिकी विकास, व्यवसाय विकास, विपणन और अन्य कौशल एवं जानकारी प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। एलबीआई पीईटी बोतल बनाने, आर.ओ. प्लांट, बेकरी उत्पादों, मसाला पीसने और पैकिंग, टेलरिंग एवं मशीन कढ़ाई, कंप्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग, रत्न/ आभूषण बनाने सहित ऐसे ही कई क्षेत्रों में 'उद्यमिता एवं कौशल विकास' के 6 सप्ताह के अल्पकालिक कार्यक्रम चलाएगा।

प्रो. मिनी एस. थॉमस, मानद निदेशक, सीआईई ने कहा कि वे तीन मोड में पाठ्यक्रम–पड़ोस के युवाओं के लिए रेगुलर मोड दिन के समय, जामिया के छात्रों के लिए इवनिंग मोड, और एक सप्ताह के बैच पेशेवरों के लिए चलाने की योजना बना रहे हैं।

प्रोफेसर थॉमस ने कहा कि एलबीआई, सामाजिक प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है और पड़ोस के लड़के–लड़कियों में उद्यमशीलता का विकास करना जामिया मिल्लिया इस्लामिया की ज़िम्मेदारी है जिससे वे सरकारी सहायता से अपने सपनों को साकार कर सकें।

उद्घाटन समारोह में श्री बी. एच. अनिल कुमार, आईएएस, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय और श्री समर नंदा, उप सचिव, एमएसएमई ने भाग लिया।

प्रोफ़ेसर शाहिद अशरफ़, सम–कुलपति, जामिइ, प्रो. शरफुददीन अहमद, विशेषकार्याधिकारी कुलपति, श्री संजय कुमार, वित्त अधिकारी, डीन, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, केन्द्रों के निदेशक, विश्वविद्यालय के छात्र और पड़ोस के गैर सरकारी संगठनों के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रो साइमा सईद
मानद उप मीडिया समन्वयक